DON BOSCO SCHOOL, KOKAR, RANCHI

Session 2020-2021

Class – 5

Subject – Hindi II (सृष्टि)

पाठ – 1 विजयी विश्व तिरंगा प्यारा (झंडा गीत)

कविता का सारांश– यह कविता हमारी पाठ्य पुस्तक 'सृष्टि हिंदी पाठमाला' में संकलित है। इसके कवि हैं श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'। इस गीत ने स्वाधीनता की लड़ाई में मशाल का काम किया। मातृभूमि के लिए बलिदान देने निकले वीर इस गीत को गाते थे। इस गीत में भारत की प्राचीन परंपरा की महानता और सुंदरता का वर्णन है। यह कविता हमारे तिरंगे का स्तुति गान है।

अभ्यास

मौखिक

छात्र दिए गए प्रश्नों के उत्तर स्वयं करें।

लिखित

1 इस कविता में 'मातृभमि का तन–मन सारा' किसे कहा गया है?

उत्तर इस कविता में मातृभमि का तन–मन तिरंगे झंडे को कहा गया है।

2 इस कविता में वीरों को किस पर 'बलि–बलि जाओ' होने के लिए कहा गया है?

उत्तर इस कविता में वीरों को देश और धर्म पर अपना बलिदान होने के लिए कहा गया है।

3 इस प्रेरक कविता के कवि कौन हैं?

उत्तर इस कविता के कवि हैं– श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'।

4 तिरंगे के नीचे खड़े होकर हम क्या प्रण लेते है?

उत्तर तिरंगे के नीचे खड़े होकर प्रण लेते हैं कि हमारे तिरंगे का मान–सम्मान कम नहीं होने देंगे। इसे विजयी विश्व बनाएँगें।

(क) पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

1 **सदा शक्ति सरसाने वाला, प्रेम–सुधा बरसाने वाला।**

कवि श्यामलाल कहते हैं कि हमारा तिरंगा हमें बहुत प्यारा है। यह हमारी विजय का प्रतीक है। यह देशवासियों में शक्ति का संचार करता है। यह प्रेमरूपी अमृत की वर्षा करता है। वीर इसे देखकर प्रसन्न होते हैं। यह मातृभति का तन और मन है। हमारा तिरंगा सदा ऊँचा लहराता रहे।

2 **काँपे शत्रु देखकर रण में, मिट जाए भय–संकट सारा।**

कवि कहते हैं कि देश की स्वतंत्रता के युद्ध में इसे देखकर देशवासियों का जोश प्रतिफल बढ़ता है। शत्रु इसे देखकर काँपते हैं। इसे देखकर डर और परेशानी सब दूर भाग जाते हैं। हमारा तिरंगा ऊँचा लहराता रहे।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सदा शक्ति **सरसाने** वाला।
2. प्रेम–सुधा **बरसाने** वाला।
3. वीरों को **हरषाने** वाला।
4. मातृभमि का **तन–मन** सारा।
5. झंडा **ऊँचा** रहे हमारा।

भाषा की बात

(क) इन शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए–

विश्व – दुनिया, संसार

सुधा – अमृत, पीयूष

वीर – बहादुर, शूर

निर्भय – निर्भीक, निडर

(ख) विलोम शब्द लिखिए–

स्वतंत्रता x परतंत्रता

निर्भीक x डरपोक

विजय x पराजय

अमृत x पिष

(ग) शब्दों के वर्ण विच्छेद को समझिए और वर्ण–विच्छेद कीजिए–

विजयी – व् + इ + ज् + अ + य् + ई

स्वतंत्रता– स् + व् + अ + त् + अ + न् + त् + र् + अ + त् + आ

हरषाने – ह् + अ + र् + अ + ष् + आ + न् + ए

सुधा – स् + उ + ध् + आ

वीरों – व् + ई + र् + ओ + अँ

(घ) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

झंडा – हमारा झंडा तीन रंगों का है।

सुधा – हमारा तिरंगा सुधा जैसे प्रेम की भावना को सीखाता है।

स्वाधीन – 15 अगस्त को हमारा देश स्वाधीन हुआ।

संकट – संकट का सामना डटकर करना चाहिए।

ध्येय – अपने ध्येय की तरफ निरतंर बढ़ते रहना चाहिए।

कला–कौशल

3 कविता लिखना सीखें–

धरती हमारी बहुत **प्यारी**,

इससे जुड़ी **दुनिया** सारी।

वृक्षाों से है धरा **निराली**,

इनसे फैली है **हरियाली**।

वृक्ष धरती का है **श्रृंगार**,

इसको क्यों काट रहा **संसार**।

पाठ – 2 लाल बहादुर शास्त्री

अभ्यास

मौखिक

पाठ पढ़कर छात्र स्वयं मौखिक प्रश्नों के उत्तर दें।

लिखित

1 शास्त्री जी के जीवन का क्या लक्ष्य था ?
उत्तर शास्त्री जी के जीवन का लक्ष्य था– "मधुर वचन, उच्च विचार।"

2 वे गंगा नदी किस तरह पार करते थे ?
उत्तर नाविक को देने के लिए पैसे नहीं होते थे तो वे गंगा नदी तैरकर पार कर लेते थे।

3 शास्त्री जी के गुरूजी ने शास्त्री जी के सिर पर हाथ फेरते हुए क्या कहा था ?
उत्तर शास्त्री जी के गुरूजी ने कहा था– "बेटा, मुझे तुम पर गर्व है। आज से तुम्हें किसी भी चीज़ की जरूरत हो तो मुझे बताना। संकोच करने की जरूरत नहीं है। ऐसे ही विद्यार्थी की जरूरत हमारे देश को है।

4 शास्त्री जी के व्यक्तित्व से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तर शास्त्री जी के व्यक्तित्व से हमें शिक्षा मिलती है कि हमेशा 'सदा जीवन, उच्च विचार' अपनाने चाहिए, मधुर बोलना चाहिए और विपत्ति से घबराना नहीं चाहिए।

5 शास्त्री जी ने हमें कौन–सा नारा दिया था?
उत्तर शास्त्री जी का नारा था – "जय जवान, जय किसान"।

(क) बहुवैकल्पिक प्रश्न (सही उत्तर चुनिए)–

1 लाल बहादुर शास्त्री का देहांत कब हुआ था?

क) 11 जनवरी 1966 ख) 1 जनवरी 1966 ग) 11 फरवरी 1966

उत्तर क) 11 जनवरी 1966

2 शास्त्री जी के पिता का क्या नाम था?

क) अमन प्रसाद ख) शारदा प्रसाद ग) श्यामलाल प्रसाद

उत्तर ख) शारदा प्रसाद

3 गुरूजी ने कौन–सी पुस्तक लाने को कहा?

क) हिंदी व्याकरण ख) रैपिड रीडर ग) संस्कृत व्याकरण

उत्तर ख) रैपिड रीडर

भाषा की बात

(क) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए–

1. जो दूर की सोचता हो – दूरदर्शी
2. जहाँ दो रास्ते मिलते हो – दोराहा
3. जो साधारण न हो – असाधारण
4. जो इतिहास से संबंध रखता हो – ऐतिहासिक
5. जिसने कुछ करने की प्रतिज्ञा की हो – दृढ़ संकल्प

(ख) विलोम शब्द लिखिए–

असंतोष	x	संतोष	निश्चय	x	अनिश्चय
संग्राम	x	शांति	मधुर	x	कर्कश
आदर	x	अनादर	आवश्यकता	x	अनावश्यकता
साधारण	x	असाधारण	संकोच	x	निःसंकोच

(ग) विशेष्य और विशेषण अलग करके लिखिए–

	विशेषण	विशेष्य
1. बबली सुंदर लड़की है।	सुंदर	लड़की
2. मैने खेत में एक काला साँप देखा।	काला	साँप
3. हमारी कक्षा में साठ बच्चे हैं।	साठ	बच्चे
4. सफ़द घोड़ा तेज़ भाग रहा था।	सफ़ेद	घोड़ा
5. मोटा लड़का भाग रहा है।	मोटा	लड़का

(घ) उचित कारक चिह्न चुनकर खाली स्थान भरिए–

(को, ने, से, में, पर, की, कि, का)

व्योम **ने** इलिका **से** कहा कि अपनी सृष्टि **में** नवीन सृजन करो, वरूण **की** धारा बहाओ। पृथ्वी **पर** अधिक **से** अधिक पेड़–पौधे लगाओ और धरती **को** हरा–भरा बनाओ।

(ङ) **मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–**

	मुहावरा		अर्थ
1	**दाँतों तले उँगली दबाना**	–	हैरान हो जाना

मैंने राजन की बहादुरी देखकर दाँतों तले उँगली दबा ली।

2	**नौ दो ग्यारह होना**	–	भाग जाना

पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

3	**खुशी से नाच उठना**	–	बहुत खुश होना।

अपना परीक्षाफल देखकर मैं खुशी से नाच उठा।

4	**आँखें भर आना**	–	रूलाई आना

उसकी भावपूर्ण गीत सुनकर मेरी आँखें भर आई।

5	**सीधे मुँह बात न करना**	–	मनमुटाव होना

आजकल रोहन मुझ से सीधे मुँह बात नहीं करता।

पाठ – 3 ओणम

अभ्यास

मौखिक

पाठ पढ़कर छात्र प्रश्नों का उत्तर स्वंय करें।

लिखित

1 वामन के रूप में विष्णु जी ने महाबली से क्या माँगा?

उत्तर वामन के रूप में विष्णु जी ने महाबली से तीन कदम भूमि माँगी।

2 केरलवासी ओणम किस प्रकार मनाते हैं?

उत्तर केरलवासी ओणम का त्योहार धूमधाम से मनाते हैं। सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं। फूलों की रंगोली से घरों को सजाते हैं। महाबली की मूर्ति सजाकर उनकी पूजा करते हैं। तरह–तरह के पकवान बनाते हैं और नृत्यगान भी करते हैं।

3 महाबली ने विष्णु जी से क्या अनुमति माँगी?

उत्तर महाबली ने विष्णु जी से अनुमति माँगी कि "भगवन, मैं पाताल लोक में ही रहूँगा किंतु कृपा कर आप मुझे हरवर्ष अपनी प्रजा से मिलने की अनुमति दे दीजिए।

4 ओणम का त्योहार कब मनाया जाता है?

उत्तर ओणम का त्योहार श्रावण महीने में मनाया जाता है।

5 महाबली के बारे में कौन–सी बात देवराज इंद्र तक पहुँची?

उत्तर महाबली बड़े ही दयालु और दानी थे। उनके राज्य में प्रजा बड़ी सुखी थी। उनका यश दूर–दूर तक फैला है। यह बात इंद्र तक पहुँची।

(क) **बहुवैकल्पिक प्रश्न (सही उत्तर चुनिए)–**

1 महाबली कहाँ के राजा थे?

क) गुजरात ख) कनार्टक ग) केरल

उत्तर ग) केरल

2 विष्णु जी ने कितने कदम भूमि माँगी?
क) एक ख) तीन ग) दो
उत्तर ख) तीन

3 ओणम के दिन कौन–सी दौड़ होती है?
क) साइकिल–दौड़ ख) घोड़ा–दौड़ ग) नौका–दौड़
उत्तर ग) नौका–दौड़

4 ओणम के दिन किस अनाज से तरह–तरह के पकवान बनते हैं?
क) चावल से ख) गेहूँ से ग) बाजरे से
उत्तर क) चावल से

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. विष्णु जी ने **वामन** रूप धारण कर लिया। (वामन/विशाल)
2. ओणम का त्योहार **श्रावण मास** में मनाया जाता है। (श्रावण मास/कार्तिक मास)
3. महाबली **पाताल** लोक में जा पहुँचे। (देव/ पाताल)
4. ओणम के दिन **नौका** दौड़ का दृश्य अद्‌भुत होता है। (नौका/घोड़ा)

भाषा की बात

(क) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

दानी	x	कंजुस	मधुर	x	कठोर
विशाल	x	लघु	स्वर्ग	x	नरक
दयालु	x	निर्दयी	प्रसन्न	x	अप्रसन्न

(ख) नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची लिखिए–

कदम	–	पग	भूमि	–	धरती
इंद्र	–	सुरेश	वस्त्र	–	कपड़ा
आकाश	–	गगन	त्योहार	–	पर्व

(ग) 'कि' और 'की' लगाकर वाक्य पूरे कीजिए–

इंद्र को चिंता होने लगी **कि** महाबली स्वर्ग के राजा बन सकते हैं। विष्णु जी ने महाबली **की** प्रार्थना स्वीकार कर ली। ऐसा विश्वास है **कि** तभी से महाबली हर वर्ष अपनी प्रजा से मिलने पृथ्वी पर आते हैं। महाबली **की** मूर्तियाँ सजाई जाती हैं और उनकी पूजा **की** जाती है।

****

Assignment

Book: **सृष्टि अभ्यास पुस्तिका**

पाठ 1 विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

पाठ 2 लाल बहादुर शास्त्री

पाठ 3 ओणम

इन तीनों पाठों के अभ्यास कार्य को छात्र अभ्यास पुस्तिका में ही निर्देशों के अनुसार प्रश्नोत्तर लिखकर पूरा करें।

Book: **हिन्दी सुलेख पुस्तिका**

छात्र प्रतिदिन आधा पेज तिथि के अनुसार सुंदर अक्षरों में हिंदी लेख (Handwriting) लिखें।

****